भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

मौखिक प्रश्न सं. †*8

सोमवार, 25 नवंबर, 2024/4 अग्रहायण, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

जनजातियों की सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण एवं संवर्धन

†***8. श्रीमती पूनमबेन माडम:**

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार पर्यटन को बढ़ावा देने के साधन के रूप में 'ट्राइबल होम स्टे' को बढ़ावा देने के लिए कदम उठा रही है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार जनजातीय समुदायों की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और उसका संवर्द्धन करने के लिए कदम उठा रही है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (घ): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है ।

*****

श्रीमती पूनमबेन माडम द्वारा जनजातियों की सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण एवं संवर्धन के संबंध में दिनांक 25.11.2024 को पूछे जाने वाले लोक सभा के मौखिक प्रश्न सं. †*8 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में **विवरण**

(क) से (घ): जी, हां। सरकार ने 'प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान' के भाग के रूप में पर्यटन मंत्रालय की स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत ट्राइबल होमस्टे के विकास की पहल को अनुमोदन प्रदान किया है। उक्त पहल में 5 लाख रु. प्रति इकाई तक (नए निर्माण के लिए), 3 लाख रु. तक (नवीकरण के लिए) और गांव की सामुदायिक आवश्यकता के लिए 5 लाख रु. तक की सहायता के साथ 1000 होमस्टे का विकास शामिल है।

पर्यटन मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन की अपनी चल रही योजना के तहत गंतव्यों पर पर्यटन सुविधाओं के विकास के लिए देश में 5287.90 करोड़ रु. की 76 परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिसमें जनजातीय परिपथ थीम के तहत 371.47 करोड़ रु. की 4 स्वीकृत परियोजनाएं शामिल हैं। स्वदेश दर्शन योजना की जनजातीय परिपथ थीम के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची अनुबंध के रूप में संलग्न है। पर्यटन मंत्रालय ने गंतव्य एवं पर्यटक-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए स्थायी और जिम्मेदारीयुक्त पर्यटन गंतव्यों को विकसित करने के उद्देश्य से अपनी स्वदेश दर्शन योजना को अब स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) के तौर पर नया रूप दिया है और देश में 793.20 करोड़ रु. की 34 परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिसमें चुमुकेदिमा, नागालैंड में 21.56 करोड़ रु. की 'मिडवे रिट्रीट में जनजातीय सांस्कृतिक अनुभव' नामक परियोजना शामिल है।

इसके अतिरिक्त, पर्यटन मंत्रालय अपने सतत प्रयास के भाग के रूप में संवर्धनात्मक कार्यकलापों, कार्यक्रमों, वेबसाइट, सोशल मीडिया पर प्रचार आदि के माध्यम से जनजातीय समुदायों की विरासत सहित देश के विभिन्न पर्यटन गंतव्यों और उत्पादों का संवर्धन करता है।

*****

अनुबंध

श्रीमती पूनमबेन माडम द्वारा जनजातियों की सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण एवं संवर्धन के संबंध में दिनांक 25.11.2024 को पूछे जाने वाले लोक सभा के मौखिक प्रश्न सं. †*8 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में **विवरण**

स्वदेश दर्शन योजना की 'जनजातीय परिपथ' थीम के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची निम्नानुसार है:

राशि (करोड़ रु. में)

क्र. सं.	**राज्य**	**स्वीकृति वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि**
1.	नागालैंड	(2015-16)	पेरेन-कोहिमा-वोखा में परिपथ का विकास	97.36
2.	छत्तीसगढ़	(2015-16)	जशपुर-कुनकुरी-मैनपत-अंबिकापुर-महेशपुर-रतनपुर-कुरदर-सरोददादर-गंगरेल-कोंडागांव-नथियानवागांव-जगदलपुर-चित्रकूट-तीर्थगढ़ का विकास	96.10
3.	तेलंगाना	(2016-17)	मुलुगु-लकनावरम-मेदवरम-तडवई-दमारावी-मल्लूर-बोगाथा झरने का विकास	79.87
4.	नागालैंड	(2016-17)	मोकोकचुंग-तुएनसांग-मोन का विकास	98.14
			कुल	**371.47**

*****